

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

d• 31] No. 31] नई दिस्ली, शनिवार, अगस्त 15, 1981/आवण 24, 1903 NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 15, 1981/SRAVANA 24, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—**चण्ड** 3—उप-खण्ड (iii) Part II—Sec. 3—Sub-Sec. (iii)

(संब राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रोय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आवेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union Territories)

भारत निर्याचन आयोग

आवेश

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1981

आ० आ० ८६२ :—यतः, निर्वाचन श्रायोग का सभाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 256-श्रतरी निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री खुर्शीद श्रालम, ग्राम मौलानगर, पो० वजीरगंज, जिला गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं,

श्रौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त करण या न्यायीचित्य नहीं है;

भ्रतः भ्रम, भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्माचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री खुर्शीद श्रालम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हित घोषिन करता है।

[मं० बिहार-वि०म०/256/80(30)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 19th March, 1981

O.N. 862.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khursid Alam, vill. Maulanagar, P.O. Wasirganj, Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 256-Atri assembly constituency held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shii Khursid Alam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/256/80(30)]

आ॰ अ॰ 863 :-यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए बिहार विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 256-अतरी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मो॰ गुलाभ रसुल, ग्राष्म व पो॰ भीमदासपुर, जिला गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनयभ की श्रारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्दारा उक्त श्री मो० गुलाम रसुल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं॰ बिहार वि॰ स॰/256/80 (31)]

O.N. 863.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Md. Gulam, Rasul, vill, Bhimdaspur, P.O. Bhimdaspur, Distt. Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 256-Atri assembly constituency held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Md. Gulam Rasul to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/256/80 (31)]

शां श्र० 864:—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि सई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 256-श्रतरी निर्याचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राजेन्द्र प्रसाद, ग्रास तेलारी, टोला साधो बिगहा, पो० बथानी, श्रतरी, जिला गया (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों ढारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भ्रौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी श्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है शौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी संवाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण था न्यायौचित्य नहीं है; ग्रतः भ्रम, उन्त श्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनु-सरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उन्त श्री राजेन्द्र प्रसाद-को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/256/80(32)]

O.N. 864.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajendra Prasad, vill. Telari, Tola Madhobigha. P.O. Bathani, Atri, Gaya, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 256-Atri assembly constituency, held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajendra Prasad to be disqualified for being chosen a , and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or I egislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/256/80 (32)]

्र श्री० अ० 865 :—यतः, निर्वावन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार पिधान सथा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 256-श्रतरी निर्वाचन-केंस्र से चुनाय नड़ने नाले उम्मीदवार श्री हरवन्श प्रमाद, ग्राम/पो० युखड़ी, धाना श्रतरी, जिला गया (विहार) लोक प्रनिनिधित्व ग्रिधिनियप, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर श्रतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसें सम्यकः सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस श्रमफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी सप्ताधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रन्-सरण में निर्वावन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री हरवंश प्रसाद को संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत बोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/256/80(33)]

O.N. 865.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Harbansh Prasad, vill. Khukhari, P.O. Khukhari, P. S. Atri, Distt. Gaya, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 256-Atri assembly constituency, held in May, 1980 has failed to lodge in account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Harbansh Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/256/80 (33)]

नई दिल्ली, 31 मार्च 1981

अा० अ० 866. -पन , विश्विचन यायोग का संवाधान हो गया है कि गई. 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए सावारण निर्वाण के लिए 107-बळवाडा निर्वाचन-क्षेत्र से बुनाव ल3ने बाल उप्सीदनार श्री मत्यनारायण जर्मा, प्राय रानीटोला चाम्वन, फेस्ट रानी तोला, जिला वेगूसराय (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रक्षक रहे हैं;

श्रीर, यतः उका प्रध्यश्री को श्रपनी श्रसफलता के लिए जमके दिए गए पति पर रिजस्ट्ड ए० डी० के श्रधीन जारी की गई कारण बताश्रों गूचना प्रितितित वापस श्रा गई थी और उपे जिला निर्वाचन श्राफितर द्वारा जिनरित कराने के प्रगत्त भी असकत हो गए थे क्योंकि श्रभ्यर्थी के परिवार के सदस्यों ने इसे लेने से इंकार कर दिया था;

श्रन. श्रव, उसत श्रिधितियस को धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रापांग एतद्द्रारा उदा श्री सत्यनारायण शर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस हादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत घोषित करना है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰/107/80(41)]

New Delhi, the 31st March, 1981

O.N. 866.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Satyanarayan Sharma, Vill. Ranitola, Chamuvan, P.O. Rani, District Begusatai, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 107-Bachwara a sembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice to show cause for the failure issued to the said candidate, under registered A.D. post at his given address had been received back undelivered and that efforts to deliver the same through District Election Officer also failed as the family members of the candidate refused to accept it;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Satyanarayan Sharma, to be disqualified for being chosen, as and for being, a member of either Houre of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/107/80(41)]

नई दिल्ली, 1 ग्राग्रैल, 1981

आ० अ० 867 :—यतः, निर्वाचन श्रायोग का सथा-धान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के निए साधारण निर्वाचन के लिए 19-गलिया निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री साफिक , ग्राम व पोस्ट हुमैना, जिला बेगुसराय, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गृए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो को कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रोर, यतः, उक्त उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी ग्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्धाचन ग्रायोग एतदहारा उक्त श्री साफिक का संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान समा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० बिहार-लो०स०/19/80 (22)]

New Delhi, the 1st April, 1981

O.N. 867.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Safique, Vill. and P.O. Hussaina, District Beguşaral. Bihar a contesting candidate for general election to the Lok Sabha from 19-Balia Parliamentary constituency, held in January, 1980 has failed to lodge an acount of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Safique to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/19/80 (22)]

आ० थ्र० 868: — यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक गभा के लिए गधारण निर्वाचन के लिए 19-बलिया निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदयार श्री बिन्देश्वरी गोप, ग्राम हरिशंकरपुर पोस्ट चक-यहाउद्वीन जिला समस्तीपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम 1951 तथा तद्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिभित भ्रपने निर्वाचन व्ययों को कोई भी लेखा वाखिल करने में शसफल रहे हैं;

श्रीर, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी इस प्रसफलना के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी तरण नही दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस प्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के धनु-सरण में निर्वाचन धामोग एतद्वद्वारा उक्त श्री बिन्देग्वरी गोप को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के िए इस धादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के निए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० बिहार-लो०स० 19/80(23)]

O.N. 868.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vindeshwari Gope, Vill. Harishankarpur, P.O. Chakbahuddin, District Samastipur, Bihar, a contesting candidate for general election to the Lok Sabha held in January, 1980 from 19-Balia Parliamentary constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vindeshwari Gope to be disqualified for being chosen us, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/19/80(23)]

नई दिल्ली, 2 मई 1980

भा० भा० 869:—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1580 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 105-बेग सराय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगवान प्रसाद सिंह, नीलम भवन, नीलम प्रकाशन, मुंगरी गंज, बेगूसराय, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधनियम, 1951 तथा तद्वधीन बनाए गए नियमो द्वारा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफन रहे है;

श्रीर, यत, उक्त उम्मीदवार ने, उसे मम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रपनी उस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है।

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण मे निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भगवान प्रसाद सिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/105/80(55)]

Now Delhi, the 2nd May, 1981

O.N. 869.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagwan Prasad Singh, Neelam Bhawan, Ncelam Prakashan, Monghyri Ganj, Begusarai, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 105-Begusarai Assembly constituency, held in May, 1980, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagwan Prasad Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/105/80(55)]

नई दिल्ली, 16 मई 1981

ष्रा० प्र० 870 :— यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के िए 42-गड़ख (अ०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शम्भु चौधरी, ग्राम व पो० गड़खा जिला सारण, बिहार लोक प्रतिनिधिस्व श्रीधनियम, 1951 तथा नद्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे है;

ग्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी ग्रपनी इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, ग्रीर निर्वादन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री शम्भु चौधरी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[म० बिहार-वि०स० 42/80 (56)]

New Delhi, the 16th May, 1981

O.N. 870.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shambhu Choudhary, Vill. & P.O. Garkha, Distt. Saran, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 42-Garkha (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shambhu Choudhary to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/42/80(56)]

भा० भा० भा कि निर्माण स्थाप का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 44-सोतपुर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बिजय कुमार, ग्राम परमोतमपुर, पो० हराजी, जिला सारण, बिहार लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तहधीन बनाए गए नियमों हारा ग्रपेक्षित भपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भसफन रहें हैं;

श्रीर, यत', उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी ग्रपनी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पाम इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण मे निर्वाधन श्रायोग एतएक्वारा उक्त श्री विजय कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर हाने के लिए इस भादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰ 44/80(57)]

O.N. 671.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijai Kumar, Vill. Pursotampur, P.O. Haraji, PS Dighwara, District Saran, Bihar, a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 44-Sonepur Assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijai Kumar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/44/80(57)]

आर अ० 872:—यत., निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 44-मोनपुर निर्वाचन-कें लेए कामना सिंह, प्राम विलोकचक, पो० दिघवारा, जिला सारण, बिहार लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रेपिन ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं,

धौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यकः सूचना दिये जाने पर भी भ्रपनी इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, भौर निर्वाचन भ्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नही है;

ग्रन: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वद्वारा उक्त श्री कामना सिह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्राँर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰ 44/80(58)]

O.N. 872.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kamta Singh, Vill. Trilok Chak, P.O. Dighwara, District Saran, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 44-Sonepur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kamta Singh to be disqualified for being chosen as, and for geing, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/44/80(58)]

भा० अ० 873:—यत', निर्वाचन भ्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 44-सोनपुर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री तृष्टिताथ मिह, ग्राम शाहपुर, पो० मोनपुर, जिला सारण (बिहार) लोक प्रति-निधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी श्रवनी इस ग्रसफनता के लिए कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है, ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पा इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्योप्त कारण या न्यायौचित्य नही है,

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रनु-मरण में निर्वाचन भ्रायोग एनढ़द्वारा उक्त श्री तृष्तिनाथ सिंह को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीज में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[स॰ बिहार-वि॰स॰ 44/80(59)]

O.N. 873.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shii Tripati Nath Singh, Vill, Shahpar P. S. Sonepur District Saran Bihar, a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly from 44-Sonepur constituency, held in May. 1980, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section -0A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tripati Nath Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/44/80(59)]

आ० अ० 874.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समा-धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए, 47-मनहर निर्वाचन -क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम प्रसाद सिंह, ग्राम व पो० ग्राजमपुर, जिला वैणाली, बिहार लोक प्रसिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रेपेक्षित समय के ग्रन्दर तथा रीति मे ग्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं; श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गये श्राभ्यायेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस श्रानकला। के लिए कोई पर्यान्त कारण या न्यायोगियत्य नहों है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम का धारा 10-क के श्रतु-सरण में निर्वावन आयोग एउदद्वारा जिला श्री राग प्रसाद सिंह को संसद के किसी को सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विज्ञान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्राहेश की तार्गिक स लीन वर्ग की काला-विधा के लिए निर्हित घोषित धरना है।

[सं० विहार-वि०स०/47/80(60)]

O.N. 874.—Whereas the Bicction Commission is satisfied that Shri Ram Piasad Singh, Vill. and P.O. Ajampur, District Vaishali, Bihar, a contesting candidate for general election to the Bibar Legislative Assembly from 47-Manhar assembly constituency, held in May, 1980 has failed to lodge an account of his election expenses in the time and in the manner required by law as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas after considering the representation made by the said candidate the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Prasad Singh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/47/80(60)]

नई दिल्ली, 30 मई, 1981

ग्रा० अ० 875:—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 169-गोपालपुर निर्वाचन के लिए 169-गोपालपुर निर्वाचन के लिए 169-गोपालपुर, निर्वाचन के हिया, नगर नवगिष्ठिया, पो० नवगिष्ठिया, भागलपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रिथित समय के श्रन्दर तथा रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने मे श्राथकत रहे हैं;

भीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी अपनी इस श्रसफलना के लिए कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः ध्रव, उक्त ध्रधिनियम की धारा 10-क के यानु-सरण में निर्वाचन ध्रायोग एतदहारा उक्त श्री जगदीश प्रसाद के खिया को संनद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विवान परिषद् के सदस्य चुने जाने छौर होने के लिए इन आदेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत बोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/169/80 (60)]

New Delhi, the 30th May, 1981

O.N. 875.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Prasad Kediya, Vill. & P.O. Navgachia, Bhagalpur, Bihat, a contesting candidate for general election to

the Legislative Assembly held in May, 1980 from 169-Gopalpur consultuency, has failed to lodge an account of his election expenses within time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Llection Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Prasad Kediya to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/169/80(69)]

श्रा० अ० 876 -- यतः, निर्वावन आयोग का कप्तावन हो गया है कि मई, 1980 में हुए विहार पिधान सभा के लिए नाधारण निर्वाचन के लिए 169-गोमलपुर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने याले उपमीदवार श्री युधिष्टर मंडल, गाह-पुर, नारायणपुर, भागलपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तद्यीन बनाए भए नियमों हारा श्रवेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में शाहरूलं रहे हैं;

ष्मौर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूवना दिये जाने पर भी अपनी इस श्रमफलना के लिए कोई कारम प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रौर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

ग्रतः ग्रन, उनत ग्रिधिनियम, की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतदद्वारा उनत श्री गुधिष्ठर मंडल को संनद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की दिधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि०स०/169/80(70)]

O.N. 876.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Yudhisthir Mandal, Shahpur, Narayanpur, Bhagalpur, Bihar a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 169-Gopalpur Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in manuer as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission it satisfied that he had no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Yudhishthir Mandal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/169/80(70)]

आ० अ० 877:—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधात हो गना है कि मई, 1930 में हुए बिहार विधाा सभा के जिए साधारण निर्वाचन के जिए 169-गोपालपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वांगे अम्मीदवार श्री संतोष कुमार सरार्फ नवगछिया, भागलपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधि-नियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अभेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने मे भासफल रहे हैं;

भौर, यतः, उत्तत उम्मीदवार ते, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी ग्रपनी इसः श्रतफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाक्षान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

भ्रतः उक्त, ग्रिधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतदद्वारा उक्त श्री संतोष कुमार सराफं को संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परियद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहिंत घोषित करता है।

[सं० विहार-वि०स०/169/80(71)]

C.N. 877.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Santhosh Kumar Sarraf, Naugachia, Bhagalpur, Bhar, a constesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in May, 1980 from 169-Gopalpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Santosh Kumar Sarraf to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative A sembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. BR-LA/169/80(71)]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1981

आा॰ अ॰ 878:—यत:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि भई, 1980 में हुए विहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 148-बोरियो (ग्र॰ज॰जा॰) निर्वाचन केने चुनाव लटने वाले उम्मीदवार श्री परमेण्यर हेमरस, ग्राम महुश्रामोल, पो॰ गाधीग्राम, जिला संथाल परगना (विहार) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधितयम, 1951 तथा नद्धीन बनाए गए नियमो हारा ग्रापेक्षित समय के ग्रन्दर तथा रीति से ग्रुपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूधना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्राफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रंब, उक्त ग्रधिनियण की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्वारा उपन श्री परमेग्वर हेणरम को संभद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य बुने जाने ग्रौर होने के लिए इस प्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की का**ला**-

[ग० बिहार-वि०स०/148/80(145)]

New Delhi, the 18th July, 1981

1. 1. 878.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shir Permeshwar Hemrom, Vill. Mahuasole, P.O. Candhigram, P.S. Pathergama, District Santhal Parganas (Bihar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 148-Borio (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as rounced by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And wherees, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Firm shiwar. Hemrom to be disqualified or being chosen as, and for being a member of either House of Parliament of the Legislative Ascembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/148/80(145)]

आ० अ० 879 :---यत., निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए बिहार विधान नभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 148-बोरियों (ग्र०ज०जा०) निर्वाचन केव से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुबोध कुमार लक्ष्णा, ग्राम खत्नापानी, पो० तालक्षारी, संथाल परगना (बिहार) लोक प्रानिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रिपेक्षत रीति से श्रपने निर्वाचन ब्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है ;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समा-धान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्वारा उन्न श्री मुबोध कुमार लकड़ा को मयद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान मभा श्रथना विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख सेतीन वर्ष की काला-विध के लिए निरर्हित घोषित करना है।

> [सं० बिहार-वि०स०/148/80(146)] श्रादेण से,

> > सतीश चन्द्र जैन, ग्रवर सचिव,

भारत निर्वाचन ग्रायोग

G.N. 879.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Subodh Kumar Lakra, Vill. Khattapani, P. O. Luljhuri, District Santhal Parganas (Bibar), a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in May, 1980 from 148-Borio (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Subodh Kumar Lakra, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assumbly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/148/80(146)]

By order,

S. C. JAIN, Under Secy. to the Election Commission of India

आदेश

नई दिल्ली, 24 जून, 1981

ष्ट्रा०अ० 880.—यतः, निर्वाचन घायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 16-सारंगढ़ (ग्र०जा०) निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कल्याणदास, ग्राम बलोदी, पोस्ट पालारी, तहसील बलोदाबाजार, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 सथा तक्षीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजित्य नहीं है;

द्यतः श्रव, उक्त द्यधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतदक्षारा उक्त श्री कल्याणदास को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं०म०प्र०-लो०स०/16/80(29)]

ORDERS

New Delhi, the 24th June, 1981

O.N. 880.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalyandas, Village Balodi, Post Pallari, Tahsil Balodabazar, District Raipuur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 16-Sarangarh (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Kalyandas to be disqualified for being chosen es, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/16/80(29)]

आश्या 881.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का संशोधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए माधरण निर्वाचन के लिए 16-सारंगढ (प्रव्याव) निर्वाचन केने वाले उम्मीदबार श्री पूरणलाल जांगड़े, ग्राम तथा पोस्ट घडमार, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षिन श्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूत्रना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी-करण नही विया है श्रीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है:

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के मनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतदहारा उक्त श्री पूरणलाल जागड़े को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस धादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं०भ०प्र०-लो०स०/16/80(30)]

O.N. 881.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Puranlal Jangde, Village and Post Admar, District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 16-Sarangarh (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shir Puranlal Jangde to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of thee years from the date of this order.

[No. MP-HP/16/80(30)]

आर आ 882.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 16-सारंगढ़ (जिंजा०) निर्वाचन के लिए 16-सारंगढ़ (जिंजा०) निर्वाचन के ले जिंग विन्तार श्री मुकटारन लाल, मकान नं 116/1, ग्राम खोंडा, पोस्ट दातन, तहसील बलोदा बाजार, जिला रायपुर (सध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रेपेक्षित ग्रपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी- करण नही दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उनके पास इस अमफलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः प्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन भाषोग एतदद्वारा उक्त श्री मुकटारन लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद के मदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस म्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-सो॰स॰/16/80(31)]

O.N. 882.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Muktaranlall, H. No. 116/1 Village Khainda, P.O. Datan, Tahsil Baloda Bazar, District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 16-Sarangarh (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Muktaranlal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of 2 State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/16/80(31)]

नई दिल्ली, 25 जून 1981

आ०ष्ठ 883.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17 रायपुर निर्वाचन-केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्रहमदुला खान, 8/92 वैजनाथपारा, रायपुर, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी नेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतवहारा उक्त श्री ग्रहमदुल्ला खान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-सो०स०/17/80(32)]

New Delhi, the 25th June, 1981

O.N. 883.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ahmedulla Khan, 8/92 Baijnath-para, Raipur District, Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of People held, in January, 1980 from 17-Raipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

540 GI/81-2

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification or the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Ahmeddullah Khan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/17/80(32)]

आं अं 884.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17-रायपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीवबार श्री रामेश्वर प्रसाद देहरा, बजरंग नगर, चिरहुलदीह वार्ड, रायपुर (भध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर, भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का सभाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

गतः गव उक्त ग्रिविनयम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतदहारा उक्त श्री रामेश्वर प्रसाद बेहरा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-सो॰स॰/17/80(33)]

O.N. 884.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rameshwar Prasad Dehra, Bajrang Nagar, Chirhuldih Ward, Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 17-Raipur constituency, has failed to ledge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Rameshwar Prasad Dehra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three year; from the date of this order.

[No. MP-HP/16/80(33)]

आं० अ० 885.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17-रायपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विष्णु प्रसाद घुवालेवासा 26, एम. श्राई. जी. इन्द्रावती कालोनी, रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधिरव श्रीधनियम, 1951 तथा तक्ष्मीम बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित भपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस प्रसफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है प्रौर निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रनकसता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री विष्णुप्रसाद घुवाले-भाला को संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-भिध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-लो०स०/17/80(34)]

O.N. 885.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vishnuprasad Ghuwalewala, 26, M.I.G. Indrawati Colony, Raipur (Madhya Pradesb) a contesting candidate for general election to te House of People held in January, 1980 from 17-Raipur constituency, as failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Vishnuprasad Ghuwalewala to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/17/80(34)]

चा॰ प्र० 886.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17-रायपुर निर्वाचन-क्षेत्र से भूनाथ लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शेख हुसैन, कादर चौक, भवाहरनगर, रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

धौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ध्रसफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पट्टी-करण नहीं दिया है और निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्यायौचित्य नहीं हैं;

मतः मन, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री शेख हुमैन, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-सो॰/स॰/17/80(35)]

O.N. 886.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sheikh Hussain, Kadar Chowk, Jawahar Nagar, Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidates for general election to the House of People held in January, 1980 from 17-Raipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the said Shri Sheikh Hussain to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legilative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/17/80(35)]

आं आ 887. यतः, निर्वाचन प्रायोगं का समाधान हो गया है कि जनवरी 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 17-रायपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विजय कुमार, बालाजी वार्ड, तिलदा न्योरा, तहसील तथा जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

मतः, प्रबं, उक्त प्रधिनियम की धारा 15-क के ग्रनुसरण में निर्याचन श्रायोग एतद्वारा उक्त श्री विजय कुमार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भवना विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने धौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-लो॰स॰/17/80(36)]

O.N. 887.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vijay Kumar Jagdish, Balaji Ward Tilda Neora Colony, Raipur District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 17-Raipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vijai Kumar Jagdish to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/17/80(36)]

श्रा०अ० 888.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 76-डिंडोरी (अ०जा०) निर्वाचन-कोल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री टोंगरे पोपट रामचन्द्रा, जनोरी, तलुका डिंडोरी, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा सदधीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन स्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे

भीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस सफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है

धतः धवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन धायोग एइत द्वारा उक्त श्री टोंगरे पोपट रामचन्द्रा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने शौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख़ से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हाहत घोषित करता ह।

[सं॰ महा-व॰स॰/76/80 (95)]

O.N. 888.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tongare Popat Ramchandra, Janori, Tahsil Dindori, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 76-Dindori (ST) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrl Tongare Popat Ramchandra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|76|80(95)]

षा० अ० 889.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 76-डिंडोरी (प्र०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बोम्बाले वियम्बक हरी, बानी, तलुका डिंडोरी, जिला नाशिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण, भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः, श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के धन्-सरण में निर्वाचन श्रायांग एतदहारा उक्त श्री बोम्बाले नियम्बक हरी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰स॰/76/80(98)]

O.N. 889.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bombale Tryambak Hari, Wani, Taluka Dindori, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 76-Dindari (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bombale Tryambak Hari to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|76|80(96)]

आं अं 890.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 130-श्रारंग (ग्र०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदबार श्री उपरम, ग्राम व पो० तेलासी, तह० वालोदाबाजार, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रौर यतः, उक्त उम्मोदवार ने, सम्यकं सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफसता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोगं का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफला के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन श्रीयोग एतद्द्वारा उक्त श्री उपरम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्सृत घोषित करता है।

[सं म॰प्र॰-वि॰स॰/130/80(124)]

O.N. 890.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Upram, Village and Post-Telasi, Tahsil Balodabazar, District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general elections to the Madhya Pradesh Logisla-

tive Assembly held in May, 1980 from 130-Arang (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereugher;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Upram to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|130|80(124)]

धारण 891.—यतः, निर्वाचन धायोग का सम्।धान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 130-म्रारंग (म्राञ्जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री खोरबहारा, माम भ्रमेठी, पो० गल्लू, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

धौर यतः, उक्त उम्मीखवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री खोरबहारा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि०स /130/80(125)]

O.N. 891.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Khorbahara, Village Amethi, Post Gulla, District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 130-Arang (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Khorbahara to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|130|80(125)]

धां । धां ।

ग्राम व पो० पत्रारी (कठिया) तहसील व जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन ध्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के धनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री जयाता को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म०प्र०-वि० सं०/130/80/(126)]

O.N. 892.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jayata, Village And Post Pachari (Kathia), Tahsil and District Raipur (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 130-Arang (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jayata to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|130|80(126)]

आ अ 893.— यस:, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 135-कसडोल निर्वाचन के लिए 135-कसडोल निर्वाचन केले उम्मीदवार श्री रामाधार, ग्राम थ पोस्ट कोटमी, (सुनार) तहसील जाजगीर, जिला बिलास-पुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन ध्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री रामधार को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[भाग II---खण्ड 3(iii)]

[सं० म० प्र०-वि० स०/135/80(127)]

O.N. 893.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramadhar, Village and Post Kotmi, (Sunan) Tahsil Janjgir, District Bilashpur (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 135-Kasdal constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramadhar to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|135|80(127)]

आ० अ० 894.—यतः, निर्वाधन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-जांजगीर निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पुनी राम राठौर, ग्राम व पो० कोदीया, तहसील व जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई मी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रवः, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 10-क के प्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्वारा उक्त श्री पुनी राम राठौर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-लो० स०/14/80(37)]

New Delhi, the 26th June, 1981

O.N. 894.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Puniram Rathore, Village and Post Kaudiya, Tahsil and Distt. Bilaspur a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 14-Jangir constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Puniram Rathore to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/14/80(37)]

आं अर 895.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-जांजगीर निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाबू लाल, ग्राम मोंगरा, पों बांकी मोंगरा, तहसील कटघोरा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एसद्धारा उक्त श्री बाबू लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से नीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्साहत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०/14/80(38)]

O.N. 895.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Babulal, Village Mongra, P.O. Banki Mongra, Tahsil-Katghora, District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 14-Janigir constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Babulal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP|14|80(38)]

मा० अ० 896.—यतः, निर्वाचन म्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-जांजगीर निर्वाचन-कोत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री माया राम, ग्राम व पो० तीफरा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में असफल रहे है;

श्रौर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है; श्रतः श्रव, उक्त श्रिविनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एदद्द्वारा उक्त श्री माया राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करना है।

[सं॰ म॰ प्र॰-लॉ॰ स॰/14/80(39)]

O.N. 896.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Maya Ram, Village and Post Tifra, District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 14-Janjair constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Maya Ram to be disqualified or being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No, MP-HP|14|80(39)]

ग्रा० ग्र० 897.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-जांजगीर निर्वाचन-क्षेत्र से मुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लालजी, ग्राम गिरवर, पो० पेन्डरा, तहसील व जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधिस्य श्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस सफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री लालजी को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत भोषित करता है।

[सं० म॰ प्र०-लो० स०/14/80(40)]

O.N. 897.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lalji, Village Girwar, P.O. Pendra, Tehsil and District Bilaspur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 14-Janjgir constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the flection Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lalji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/14/80(40)]

आ॰ अ॰. 898.—-यतः, निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 14-जांजगीर निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री विद्यानन्द तिवारी, दरी भौक (कौरवा) मध्य प्रवेश लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित भपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में प्रसफ्ल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त भिधितियम की धारा 10-क के धनु-सरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री विद्यानन्द तिवारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-लो० स०/14/80'(41)]

O.N. 898.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vidya Nand Tiwari, Ourn Chowk, Main Road (Kobra) Madhya Pradesh a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 14-Janjgir constituency has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vidya Nand Tiwari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/14/80(41)]

का॰ अ॰ 899.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 18-महासमुन्द निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाय लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मिलापचन्द, गांधी चौक, महासमुन्द, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रति-निर्धित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में यसफल रहे हैं;

भीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

शतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के धनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री मिलापचन्द की संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की सारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰ प्र॰-लो॰ स॰/18/80(42)]

O.N. 899.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Milap Chand, Gandhi Chawk, Mahasamund, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 18-Mahasamund Constituency, has failed to lodge an amount of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Milap Chand to be disqualized for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/18/80(42)]

प्रा॰ अ॰ १००. — यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 18-महासमुन्द निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राजकुमार नेमनाथ काक बंगला वार्ड धमतरी, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधिरव श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्र्पेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

धीर यतः, उक्त उम्मीदवार मे, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः मन, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के मनु-सरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राजकुमार नेमनाय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ ष॰ प्र॰-लो॰ स॰/18/80(43)]

O.N. 900.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Rajkumar Nemnath, Dak Bungalow Ward Dhamtari, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of the People held in January, 1980 from 18-Mahasamund constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Rajkumar Nemnath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA[18]80(43)]

आ अ० 901.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 18-महासमुन्द निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामनाथ कुरें, ग्राम तथा पोस्ट मगेरलोड, तहसील धामतरी, जिला रायपुर (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

भीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के मनु-सरण में निर्वाचन मायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम माथ कुरें को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा मथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने मीर होने के लिए इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्माहत घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-लो स०/18/80(44)]

O.N. 901.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Nath Kurre, Village & Post Magarlod, Tehsil-Dhamtari, District Raipur (M.P.) a contesting candidate for general election to the House of the People Act held in January, 1980 from 18-Mahasamund constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Nath Kurre to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP|18|80(44)]

आ अ०. 902--यतः, निर्वाचन पायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए प्रहाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-रतनागिरी निर्वाचन केने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदिशार श्री जोशी शशीकांत गंगाधर, मु० डा० उमारी, तलुका व जिला रतनागिरी (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने श्रसफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदधार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफनता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है उसके पास इस श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के श्रवुसरण में नियांचन भायोग एतद्दारा उक्त श्री जोशी शशीकांत गंगाघर को संसद के किसी भी सदम के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद्ध के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्दाहत घोषित करता हैं।

[सं० महा-वि० स०/6/80(97)]

O.N. 902.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Joshi Shashikant Gangadhar, At & Post Umari, Taluka & District Ratnagiri (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 6-Ratnagiri constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said ShrI Joshi Shashikant Gangadhar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/6/80(97)]

आ० अ०. 903-यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-रतनागिरी निर्वाचनक्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भीकाजीराव पावर, मु० डा० पोमडी बी के० तलुका रतनागिरी जिला रतनागिरी (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तस्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नही दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है; मतः भन, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भीकाजीराय पावर, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰ स॰/6/80/(98)]

O.N. 903.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhikajirao Powar, At & Post Pomendi BK, Taluka Ratnagiri, District Ratnagiri (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 6-Ratnagiri constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhikajirao Powar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/6/80(98)]

आं अं 904:—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधन हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 105-सिंघखेद राजा निर्वाचन के लिए ताधारण निर्वाचन के लिए 105-सिंघखेद राजा निर्वाचन के से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वारे श्रम्बादाम गोविन्द, सुरेन्द्रा निवास, सुवनी नगर, बुलदाना, जिला बुलदाना (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का रीति से, लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे है;

श्रीर यसः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता ने लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्व नहीं है ;

ग्रत: शब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री वारे श्रम्बादास गोविन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित घोषित करता है।

[सं० महा-वि० स०/105/80 (99)]

O.N. 904.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ware Ambadas Govind, Surendra Nivas, Suwarna Nagar, Buldana, District Buldana (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 105-Sindkhed Raja

Constinency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explantion for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Comission hereby declares—the said Shri Ware Ambadas Govind to be dequalified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA]105]80(99)]

आ० अ० 905:—पतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 105-सिन्ध खेद राजा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री घुमरे जानूजी ज्ञानुजी, बार्ड नं० 19, मेखर, जिला बुलदाना (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रंपेक्षित ग्रंपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के मन्दर तथा रीति से, दाखिल करने में भसफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता से लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री घुमरे जानूजीं ज्ञानूजी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथया विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्सित घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰ स॰/105/80 (100)]

O.N. 905.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ghumre Januji Gyanuji, Ward No. 19, Mohkar, District Buldana, Buldana (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 105-Sindkhed Raja constituency, has falled to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghumare Januji Gyanuji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA]105[80(100)]

भार्वे श

नई दिल्ली, 29 जून, 1981

आ॰ प॰ 906:—यसः, निर्वाचन मायोग का समाघान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा 540 GI/81—3 के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 51-बधुप निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर बिपिन नारनजी, रामलाल बाक्सी बिल्डिंग, एल० बी० ग्रास्त्री मार्ग, बेना बैंक के सामने बुदुप बम्बई 400078 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में प्रसफल रहे हैं;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है।

ग्रतः भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एव्दद्वारा उक्त श्री ठाकुर विपिन नारनजी को संसद के किसी भी सदन केया किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्साहत घोषित करता है।

> [सं० महा-वि० स०/51/80 (101)] ORDERS

New Delhi, the 20th June, 1981

O.N. 906.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakur Bipin Naranji, Ramlal Baxi Building, L. B. Shastri Marg, Opposite Dena Bank, Bhandup, Bombay-400078 (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 51-Bhandup Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakur Bipin Naranji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|51|80(101)]

आं अं 907:—यतः, निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 37-खेदबादी, निर्वाचनके लेए उन-खेदबादी, निर्वाचनके लेए जैन-खेदबादी, निर्वाचनके लेख से चुनाव लड़ने वाले उम्मीददार श्री श्रार० एस० मेशराम, संजिवनी हार्ऊसिंग सोसाईटी, खार (ईस्ट), बम्बई- 55 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ध्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है; भतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाकन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री ग्रार० एस० मेशराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्सिहत घोषित करता है।

[सं महा-वि स । (37/80 (102)]

O.N. 907.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. S. Meshram, Sanjiueani Housing Society, Khar (East), Bombay-55 (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 37-Kherwadi Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the faiure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. S. Meshram to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-L/.]37]80(102)]

का० आ० 908:— यतः निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए सम्बारण निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन-केले से चुनाच लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपी झासी दरवाजा करेरा, जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम; 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेकित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल हे हैं;

स्रोर यतः, उक्त उम्भीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण स्थवा स्वव्दीकरण नहीं विया है स्रोर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस -समफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यामीचिट्य नहीं;

अतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्माचन आयोग एतव्दारा उक्त श्री गोपी को संसद के किसी भी सदस के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषय् के सवस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीचा से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिष्ठत बोचित करता है।

िस॰ म॰प्र॰ वि॰स॰/24/80(131) J

ON 908.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopi, Jhansi Darwaja, Karera, District Shivpuri (Madhya Pradesh) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Karera Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|24|80(131)]

क्या॰ अ॰ १०९: यत:, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लक्ष्मे वाले उम्मीदवार श्री जगदीश रामनाथ, ग्राम भैंसा, पो॰ सुनारी, परगना करेरा, जिला शिवपुरी, (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा श्र्येक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस अमफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी- करण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

प्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्धाचन ग्रायोग एतदद्वारा उक्त श्री जगदीश राम-नाथ को समद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चूने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहित भोषित करता है।

[स्ट म**० १०-वि०स०/24/80 (132)**]

ON 909.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagdish Ramnath, Village Bhaisa, Post Sunari Pargana Karera, District Shlvpuri (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Karera Constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said-candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagdish Rammath to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|24|80(132)]

मा० अ० 910:—-यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए अध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगत सिह, एडवो-केट, करेरा, जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

श्रीर यतः, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनु-सरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भगत सिंह, एडवोकेट, को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने भाने भौर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत धोषित करता है।

[सं॰ म॰प्र॰-वि॰स॰/24/80 (133)]

O.N. 910.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagwat Singh, Advocate, Karera, District Shivpuri (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24. Karera Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagwat Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|24|80(133)]

आ० अ० 911.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन के ले या प्रदेश भगवान दास, मरबर, परगना करेरा, जिला शिवपुरी, (भध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा साखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्वष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के भ्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भगवान दास को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं॰ म॰ प्र॰-बि॰ स॰/24/80 (134)]

O.N. 911.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagwan Das, Marwar, Pargana Karera, District Shivpuri (M.P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Karera constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagwan Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|24|80(134)]

आ० अ० 912.—यतः, निर्वाचन श्रायोग दा समाधान हो गया है कि प्रई, 1980 में हुए सध्य प्रदेश विधान सभा के लिए सधारण निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचनके लेख से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदिधार श्री राम दास, हरदौल, परगना करेरा, जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित प्राने निर्वाचन ब्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सन्यक् सूथना विए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथमा स्पष्टी-करण नही दिया है और मिर्वाचन धायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य मही है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के धनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम दास को संसद् के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घीषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि०स०/24/80 (135)]

O.N. 912. Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Das, Hardaul, Pargana Karera, District Shivpuri (M. P.) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Karera constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Das to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA|24|80(135)]

क्षा० अ० 913.—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन के लिए 24-करेरा निर्वाचन के क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगवती प्रसाद शर्मा ग्राम व पो० नोनेर, परगना करेरा, जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तव्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन स्थमों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना विए आने पर भी इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनु-सरण में निर्धानन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भगवती प्रसाद शर्मा, को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने शौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ म॰ प्र॰-वि॰ स॰/24/80 (136)]

O.N. 913.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagwati Prashad Sharma, Village and Post Nonar, Pargana Karera, District Shivpuri (MP) a contesting candidate for general election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Karera constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagwati Prashad Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/21/80(136)]

आवेश

नई दिल्ली, 30 जून, 1981

आ॰ प्र॰ 914.—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 79-बगलान (श्र॰ जा॰) निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कुषर सम्पत-राव लाहू, मु॰ भीलवड़ा, डा॰ दासवल, तालुका बगलन, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल राष्टें हैं;

श्रीर यतः, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए णानं प भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवास्पष्टी-रूरण नही दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गमा है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं है। ग्रतः, श्रव, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उन्त श्री कुबर सम्पत-राव लाह को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/79/80 (108)]

ORDERS

New Delhi, the 30th June, 1981

O.N. 914.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kuvar Sampatrao Lahu, At Bhilwad, Post Daswel, Tal-Baglan, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 79-Baglan (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is stisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kuvar Sampatrao Lahu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/79/80(108)]

आं० अ० 915.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए गायारण निर्वाचन के लिए 79-बगलन (अ० जा०) निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने बाले उमीधवार श्री गायकवड पुंजाराश्र कालू, मु० गोराने, डा० अखलवाड, तालुका बगलन, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिस्य श्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीवनार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भ्रतः भ्रबं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रमु-सरण में निर्याचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री गायकवश्र पूंजाराम कालू को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य शुने जाने भ्रीर होने के लिए इस भ्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहिंत धोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰ स॰/79/80 (109)]

O.N. 915.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gaikwad Punjaram Kalu, At Gorane, Post Akhatwade, Taluka-Baglan, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 79-Baglan (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gaikwad Punjaram Kalu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/79/80(109)]

आहेश

नई विल्ली, 1 जुलाई, 1981

आा० अ० 916.—यतः, निर्याचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए राजस्थान विद्यान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 24-सूरजगढ़ (ग्र०जा०) निर्वाचन-कोन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री चन्द्र भान, ग्राम व पोस्ट निहालोद की ढाणी, तहसील खेतड़ी, जिला भुन-भुनू (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व प्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहें हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

श्रतः भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के मनु-सरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री चन्द्रभान को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-वि० स०/24/80(111)]

ORDERS

New Delhi, the 1st July, 1981

O.N. 916.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chandra Bhan, Village and Post Nihalod Kee Dhani, Tehsil-Khetri, District Ihunjhunu (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the Rajasthan Legislative Assembly held in May, 1980 from 24-Surajgarh (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure—and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chandra Bhan to disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/24/80(111)]

आ० अ० 917.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 117-करन्जा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव सड़ने वाले उम्मीदवार श्री ग्राम्बोर रामदास नारायण, बार्ड नं० 24, करन्जा, तालुका मुरतिजापुर, जिला अकोला (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा समय के अन्दर तथा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई फारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः ग्रव, उक्त मधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन धायोग एतद्वारा उक्त श्री ग्रम्बोर रामदास नारायण को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयंवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस घादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० महा-वि० स०/117/80(112)]

O.N. 917.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ambore Ramdas Narayan, Ward No. 24, Karanja, Taluka-Murtizapur, District Akola (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 117-karanja constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason o_T explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ambare Ramdas Narayan to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/117/80(112)]

आदेश

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1981

आं० अ० 918.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 18-खालापुर निर्वाचन-केंद्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देशपांडे नंदकुमार वसंत राव, देशमुख वाड़ा खोपाली, तालुका खालापुर, जिला कोलाबा (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रमफल रहे है;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रफसलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्व नहीं है; ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्वारा उक्तश्री देशपांडे नंदकुमार वसंत राव, को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० महा-वि० स०/18/80 (113)]

ORDERS

New Delhi, the 4th July, 1981

O.N. 918.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Deshpande Nandkumar Vasantrao, Deshmukh Wada Khopoli, Taluka-Khalapur, District Kolaba (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 18-Khalapur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Deshpande Nandkumar Vaşantrao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of cither House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/18/80(113)]

आहेश

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1981

आर अ१० ९ 19.— यतः, निर्वाचन भ्रायांग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 22-जालोर (भ्र०जा०) निर्वाचन केले ते चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मांगी लाल मेघवाल, अगम व पोस्ट धावला, तहसील श्राहोर, जिला जालोर (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व श्रीधनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन श्र्ययों का लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

म्रतः भव, उक्त म्रिधिनियम की धारा 10-क के म्रमुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतत्हारा उक्त श्री मांगी लाल मेघवाल को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भ्रीर होने के लिए इस म्रादेश की तारीख से तीम वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० राज०-लो० स०/22/80 (32)]

ORDERS

New Delhi, the 8th July, 1981

O.N. 919.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bangilal Meghwal, Village and Post-Dhawla, Tehsil-Ahore, District-Jalore (Rajasthan) a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980

from 22-Jalore (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mangilal Meghwal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP/22/80(32)]

भा० भ० 920.—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1980 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 22-जालोर (श्र० जा०) निर्वाचन केन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्यारे लाल, आर्य समाज रोड़, सिरोही, जिला सिरोही (राजस्थान), लोक प्रतिनिधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से श्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

श्रौर यतः, जक्त जम्मीदवार द्वारा दिए गए श्रम्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन श्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उस के पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रवः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्याचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री प्यारे लाल को संसद् के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० राजा० लो० स०/22/80(33)]

O.N. 920.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Pyarelal, Arya Samaj Road, Sirohi, District-Sirohi (Rajasihan) a contesting candidate for general election to the House of People held in January, 1980 from 22-Jajore (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Pyarelal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-HP|22|80(33)]

आबेश

नई दिल्ली, 14 ज्लाई, 198 1

आ अ 921. यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 250-भवामी पथ मिर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगत सिंह उर्फ नाना साहिब नामक, फूले-पथ, मकान नं 347/1, पुने (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रपेक्षित रीति से अपने नियचिन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहें है;

श्रीर यतः, उकत उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः प्रव. उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भगतिसह उर्फ नाना साहिब नायक को संसद् के किसी भी सदन में या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और दौने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर के करनाक्षिश्च के लिए निर्हित घोषित करता है

[सं० महा-वि०स०/250/**80(**115)]

New Delhi, the 14th lary, 1981

ON 921.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagatsingh alias Nanasaheb Naik, Phule-Peth House No. 347|1, Pune (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 250-Bhawani Peth constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagatsingh alias Nanasabeb Naik to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

No. MΓ-LA/250/80 (115)]

मां ग्रंथ 922:—-पतः निर्माचन ग्रायोगं का समाधान हो गया है कि मर्ड 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 245-हबेली निर्वाचन के लिए 245-हबेली निर्वाचन के लिए 1945-हबेली निर्वाचन के लेए 245-हबेली निर्वाचन के लेए 1952-होली कि मासके, कलमः, मासके बस्ती, पोठ डीगी कैम्प, पूने-15 (महाराष्ट्र) लोक अतिनिधित्व ग्राधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों हारा ग्राविक्त ग्रापने निर्वाचन श्र्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रह है;

श्रौर यतः उक्त उम्मीदवार ते, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः भ्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री भ्रशोक मासके को संसद् के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयका विधान परिषव के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इसंभादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स० 245/80 (118)]

O.N. 922.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ashok Mhaske, Kalasfi Mhaskevasti, Post Dighi Camp, Pune-15 (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 245-Haveli constituence, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ashok Mhaske to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|245|80(118)]

आ० अ० 923:—यतः निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 50-घटकोपर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने बाले उम्मीदवार श्री के० एस० भ्रहीरे भीमनगर, सर्वोदय हस्पताल के पीछे, घटकोपर, बम्बई-75 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिन्च भ्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्रपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में भ्रसफल रहं हैं;

श्रौर यत:, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचन। दिये जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है श्रौर निर्वाचन श्रायोग क: समाधान हा गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रयः, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुभ सरण में निर्वाचन श्रायोंग एतद्धारा उक्त श्री के० एस० श्रहीं को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रणका विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रोर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विधा के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/50/80 (119)]

O.N. 923 .—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. S. Ahire, Bhim Nagar, Behind Sarvodaya Hospital, Ghatkopar, Bombay-75 (Maharashtra), a confesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 50-Ghatkopar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. S. Ahire to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/50/80 (119)]

अ10 अ0 924:— यत:, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हूए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 50-घटकोपर निर्वाचनक्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती गृनावंती शाह, ए-6-18, विद्युत रेखा, जीवन बीमा नगर, बोरीवली (पिष्यम) अम्बई-400090 (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रिधित्यम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रशिक्त प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहें हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है और निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याध्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

मतः ग्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रश्नुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्रीमती गूनावन्ती श्राह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान समा श्रयवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भ्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्महत घोषित करता है।

[सं० महा-वि॰स॰/50/80(120)]

O.N. 924.—Whereas the Election Commission is satisfied that Smt. Gunavanti Shah, A-6-18, Vidhyut Rekha, Jivan Bima Nagar, Borivali (West), Bombay-400090, a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 50-Ghatkopar Constituency, has failed to lodge an account of her election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. Gunavati Shah to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/50/80 (120)]

आ॰ अ॰ 925: --यतः निर्वाचन द्यायोग का समाधान हो गया है कि मई 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 50-घटकोपर निर्वाचन की लेए 50-घटकोपर निर्वाचन की से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वाई० एल० पाई, 101/3053 पंतनगर, घटकोपर बम्बई,-75 (महाराष्ट्र) लोक पतिनिधित्व ग्रिधिनयम 1951 तथा तत्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रवेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिये जाने, पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है और निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्राधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री वाई० एल० पाई, को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स० 50/80(121)]

O.N. 925.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Y. L. Pai, 101/3053, Pant Nagar, Ghatkopar, Bombay-75 (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 50-Ghatkopar Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Y. L. Pai to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/50/80 (121)]

अर० प्र० 926: -- पतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 50-घटकोपर निर्वाचन- क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वसंत मोदी, नंदलाल पोपटलाल, चवल नं० 1 कमरा नं० 25, गांधी नगर, प्रगरा रोड, घटकोपर, बम्बई (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्दारा उक्त श्री बसंत मोदी को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से सीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्देशित ग्रीवत करता है।

[सं॰ महा-वि॰स॰/50/80(122)]

O.N. 926.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vasant Mody No. 12. Por the William No. 1. Room No. 25, Gandhi Nagar, No. 12. Por the William No. 1. Room Bombay (Maharashtra), a contesting has failed to lodge an account of the Maharashtra Legislative has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the foilure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vasant Mody to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/50/80 (122)]

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1981

ग्रा० अ० 927 :— यत:, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 197-एंजलगांव निर्वाचन के लिए 197-एंजलगांव निर्वाचन के ले उम्मीदवार श्री एडवोकेट केशव नागोराव डोगरे, लाईन गली, बीड, जिला बीड, (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों हारा ग्रापंक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं,

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रंतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री एडवोकेट केणव नागोराव डोगरे को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदम्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्हित घोषिन करना है।

[मं महा-वि॰म॰/197/8 0/(123)]

New Delhi, the 15th July, 1981

O.N. 927.—Whereas the Election Commission is satisfied that Adv. Keshav Nagorao Dongre, Linegalli, Beed, District Beed (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Manilegaon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Adv. Keshav Nagorao Dongre to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA|197|80-(123)]

आ। अ। 928:—यतः, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधार। निर्वाचन के लिए 197-मांजल गांव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार थी चोपडे मोती राम लिम्बाजी, मु० कोथराल, पो० हिवरा गवारवन, जिला बीड (गहाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिविनियम, 1951 तथा तहीन बनागे गये नियमों हारा योधित प्रयने निर्वाचन व्ययो का कीई भी लेखा दाखिन करने में अजफल रहे हैं;

ग्रौर यत:, उक्तं उम्मीदशर ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिये कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी- करण नहीं दिया है ग्रौरं निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क क ग्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री चोपड़े मोती राम लिम्बाजी को संमद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिये इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाबधि के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/197/80(124)]

O.N. 928.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Chopda Motiram Limbaji, at Kothrul, Post Hivragavardhan, District Beed (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Manilegaon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Chopda Motiram Limbaji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/197/80(124)]

आ० अ० 920: —यतः, निर्वाचन श्रायोग का सनाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराएं विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 197-मांजल गाव निर्वाचन के लिये 197-मांजल गाव निर्वाचन के लिये 197-मांजल गाव निर्वाचन के लेये 197-मांजल गाव निर्वाचन के लेये प्रकर काकोसाहिय सोलंकी सदोलकर, मु० व पो० सदोला, तह० मांजल गांव जिला बीड (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा नद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रपेधित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

श्रीर यतः. उक्त उम्मीदवार ने, पम्यक मूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिये कोई कारण ग्रथवा म्पच्टी-करण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचा श्रायोग का गमाधान हा गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुंसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री मधुकर काकोसाहिब सोलंकी सदीलकर को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रौर होने के लिये इस श्रादेश की नारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्हित घोषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/197/80(125)]

O.N. 929.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Madhukar Kakasaheb Solunke, Sadolkar, At and Post Sadola, Tahsil-Majalgaon, District Beed (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Manjlegaon constituency, has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Madhukar Kakasahab Solunke Sadolkar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/197/80(125)]

आ॰ अ० 930: -- यतः, निर्वाचन ग्रायोग का सामधान हो हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 197-मांजल गांव निर्वाचन-केन्न से वुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मिर्जा फैजुला बेग ग्रहमद बेग, नेहरू चौक, मु॰ ग्रीर डा॰ मांजल गांव, जिला बीड (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमो द्वारा ग्रिपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री मिर्जा फैजुला वेग श्रहमद बेग को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[मं॰ महा-वि॰स॰/197/80(126)]

O.N. 930.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Mirza Fayzulla Baig Ahmed Baig, Nehru Chowk, At and Post Majalgaon, District-Beed, (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Manjelgaon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act. 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mirza Fayzulla Baig Ahmed Baig to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/197/80(126)]

आ० ग्र. 931.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 197-मांजल गांव निर्वाचन के लिये 197-मांजल गांव निर्वाचन के लेये तिर्वाच श्री मुरलीधर बालाजी राव वडमारे, मु० कागडीवास बीड, तह० व जिला वीड (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्द्वीन बनाये गये नियमो द्वारा ग्रेपेक्षित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस ग्रंसफलता के लिये कोई कारण श्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रभफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनदद्वारा उक्त श्री मुरलीधर बाजाजीवार बडमारे का मंसद के किमी भी सदन के या किमी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० महा० वि०स**०**[197/80-(127)]

O.N. 931.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri, Murlidhar Balajirao Wadmare. At Kagdi vas Beed. Tehsil & District-Beed (Maharashtra) a contesting candidate tor general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 197-Manjlegaon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Murlidhar Balajirao Wadmare to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/197/80(127)]

आं अा 932: —यत:, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 201-खेंज (ग्र०ज०जा०) निर्वाचन-केल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रो० जोगड़न्ड ए०के०, स्वामी रामानन्द तीर्थ कालेज, श्रम्बेजीगीया, जिला बीड (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्द्वीन बनाये गये नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रमफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः ध्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन ध्रायाग एनद्द्वारा उक्त श्री जोगडन्ड एस०के० को संसद के किमी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ध्रौर होने के लिये इस ध्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्साहत घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/201/80(128)]

O.N. 932.—Whereas the Election Commission is satisfied that Prof. Jogdand S. K., Swami Ramanand Tirth College, Ambajegai, District Beed (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 201-Kaij (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Prof. Jogdand S. K. to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/201/80(128)]

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक मृचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलना के लिये कोई कारण ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलना के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के ध्रनुसरण में निर्वाचन ध्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री जोगडन्ड सम्बाजी राव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ध्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ध्रौर होने के लिये इस ध्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ महा॰-वि॰स /201/80(129)]

O.N. 933.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jogdand Sambhaji Rao, Ambedkar Chawk, Ambajogai, District Beed (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 201-Kaij (SC) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jogdand Sambhaji Rao to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

(No. MT-LA/201/80(129)]

आ०अ०934.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में द्रुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 201-वैज (प्रा०जा०) निर्वाचन के बले उम्मीदवार श्री हरजानकर विठ्व गंगाराम, मु० मुलेगांव, पो० लाडेवाडगांव, ता० खैज, जिला बीड (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा श्र्पेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसकल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रनकला के लिये कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन ग्रायोग का सभाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसकलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्न श्री हरज्ञानमर विठुल गंगाराम, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा निधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिये इस श्रादेण की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषिन करता है।

[सं० महा०-वि०स०/201/80(130)]

O.N. 934.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Hargaonkar Vithel Gangaram, At Mulegaon, Post-Ladewadgaon, Tq.—Kaij, District Beed (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 201-Kaij (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Hargaonlar Vithal Gangaram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/201/80(130)]

आ० अ० 9 3 5. — यतः, निर्वाचन म्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 98-भुमावल निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री टाक चूनीलाल प्रहलाद, पांडूरंग टाकिज के पीछे, टाक भवन, भुसावल, जिला जलगांव (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 तथा तढ़ीन बनाये गये नियमों द्वारा भ्रपेक्षित ग्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यत:, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिये कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रमफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नही है;

मतः म्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन मायोग एतद्वारा उक्त श्री टांक चूनीलाल प्रहलाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा मथवा विधान परिषद् के सदस्य खुने जाने मौर होने के लिये इस मादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

सिं० महा०-वि०स०/98/80(131)]

O.N. 935.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tak Chunnilal Pralhad, Behind Pandurang Talkies, Tak Bhavan, Bhusaval, District Jalgaon (Maharashtra), a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 98-Bhusawal Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder,

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the raid Act, the Election Communion hereby declares the said Shri Tak Chunnilal Pralhad to be disqualified for being chosen as, and for being a membra of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/98/80(131)]

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1981

आं अ 936. या. निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 69-सिनार निर्वाचन- केले से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रवद जुनजार महासुजी, पिछोरा लेन, सिनार, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नक्षीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे श्रसकल रहे है;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिये कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के मनुसरण मे निर्वाचन श्रायोग एतद्हारा उक्त श्री ग्रवद जुनजार महासुजी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भीर होने के लिये इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की गालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰स॰/69/80(132)]

New Delhi, the 16th July, 1981

O.N. 936.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Avahad Zunzar Mhasuji, Pachora Lane, Sinnar, District—Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharshtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 69-Sinnar Constituency, has failed to lodge on account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Avahad Zunzar Mhasuji to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/69/80(132)]

आ॰ अ॰ 937.—यत:, निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये त्रावाय निर्वाचन के लिये 70-निफाद निर्वाचन केले से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सीताराम मोतीराम पावार, मु॰ और डा॰ भौजार, तालुका निफाद, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व भिधिनयम, 1951 तथा तजीन बनाये गये नियमों द्वारा धपेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिये कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रामोग एतद्द्वारा उक्त श्री सीताराम मोतीराम पावार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के मदस्य चूने जाने ग्रीर होने के लिये इस श्रादेश की तारीज से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰स॰/70/80(133)]

O.N. 937.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sitaram Motiram Pawar, At & Post Ozar. Tal. Niphad, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 70-Niphad Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and

the Election Commission is satisfied that he has $n\gamma$ good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sitaram Motiram Pawar to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Councin of a State for a period of three years from the date of this order.

INO. MT-LA/70/80(133)!

मा॰ अ॰ 938.— यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण विश्वीन के लिये गर्माण कि नित-भेत से चुनाय लड़ने वालें उम्मीदवार श्री कदम भानुदास राभचन्द्रा मु॰ कतारनी, तालुका योला, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिस्य प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाये गये नियमों हारा भयेकित अपनें निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में यसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिये कोई कारण ग्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भीर निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचिस्य नहीं है;

प्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के प्रमुमरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री कदम भानुदास रामचन्द्रा को संसर्व के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने भौर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निर्राहत भोषित करता है।

[सं० महा-वि०स०/71/80(134)]

O.N. 938.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kadam Bhanudas Ramchandra, At Katarni, Tal. Yeola, Disrict Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 71-Yeola constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kadam Bhanudas Ramchandra to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/71/80(134)]

नई विल्ली, 17 जुलाई, 1981

जा॰ घ॰ 939.—यतः, निर्वाधन धायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिये साधारण निर्वाधन के लिये 66-इगतपुरी (घ॰जा॰) निर्वाधन-केन्न से भुनाव लड़ने वाले उम्मीववार भी दमसे माधवराव सलाराम, मु॰ धधरवाइ, डा॰ खेव, तालुका

इगतपरी, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाये गये नियमों द्वारा प्रपेतित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर यतः, उक्त उम्मीदकार ने, सम्यक सूचना विये जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिये कोई कारण भ्रयवा स्पष्टीकरण नही दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री दमसे माधवराव सखाराम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने शौर होने के लिये इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिये निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ महा-वि॰स॰/66/80(137)]

New Delhi, the 17th July, 1981

O.N. 939.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Damse Madhavrao Sakharam, At Adharwad, Post Khed, Tal Igatpuri, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 66-Igatpuri (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Damse Madhavrao Sakharam to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

INo. MT-LA/66/80(137)]

आं अ 940. — यतः, निर्याचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-इगतपुरी (ग्र॰ आ॰) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाम्बले थिवराम महादिश्रो, मु॰ हुरली, डा वैतरना नगर, तालुका इगतपुरी, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधिरव ग्राधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भ्राधित ग्रयने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसफल रहे है ;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रयवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है भौर निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौधिस्य नहीं है ;

मतः मम, उक्त मधिनियम को धारा 10-क के बमुसरण में निर्वाचन मायोग एतद्वारा उक्त श्री बाम्बेले शिवराम महादिश्रों को ससद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रोर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[स॰ महा-वि॰स॰/66/80 (138)]

O.N. 940.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bambale Shivram Mahadeo, At Ahurli, Post Vaitarna Nagar, Tal Igatpuri, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra I egislative Assembly held in May, 1980 from 66-lgatpuri (ST) Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Flection Commission hereby declares the said Shrl Bambale Shivram Mahadeo to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Pailiament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/66/80(138)]

आं अ 941.—यतः, निर्वाचन ग्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 66-इगतपुरी (ग्र॰ जा॰) निर्वाचन-केन्न से धुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वाध भाऊ साकरू, मु॰ ग्रीर डा॰ ग्रन्तवंद, तालका इगतपुरी, जिला नासिक (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनयम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ग्रिधित ग्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीववार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रसफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी-करण नही दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नही है;

श्रत. श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रमुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्क्षारा उक्त श्री वाध भाऊ साकरू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राष्ट्रत घोषित करता है।

[स॰ महा-बि॰ स॰/66/80 (139)]

O.N. 941.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Wagh Bhau Sakru, At & Post Alwand Tal-Igaipuii, District Nashik (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legislative Assembly held in May, 1980 from 66-Igatpuri (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Wagh Bhau Sakru to be disqualified for being chosen as, and

for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/66/80(139)]

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1981

आ॰ श. 942.—यत , निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 226-करमाला निर्वाचन के लिए 226-करमाला निर्वाचन के लेए विधान सभा के लेए साधारण निर्वाचन के लिए विधान स्रोपी रमन लाल भाई चन्द, विजय तेल मिल, सामने मार्किट कमेटी, करमाला, जिला सोलापुर (महाराष्ट्र) लोक प्रतिनिधित्य ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा ग्रपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा रीति से दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्वष्टी-करण नही दिया है भौर निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नही है;

ग्रतः ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री दोषी रमनलाल भाई चन्व को ससद के किसी भी सबन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की काला-विध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

> [स॰ महा-वि॰ स॰/226/80 (140)] ग्रादेश से, धर्म वीर, भवर सचिव

> > भारत निर्वाचन पायोग

New Delhi, the 22nd July, 1981

O.N. 942.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Doshi Ramanlal Bhaichand, Vijay Oil Mill, Opp-Market Committee, Kaimala, District Solapur (Maharashtra) a contesting candidate for general election to the Maharashtra Legilsative Assembly held in May, 1980 from 226-karmala constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the sald Act, the Election Commission hereby declares the sald Shri Doshi Ramanlal Bhaichand to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/226/80(140)]

By Order,

DHARAM VIR, Under Secy.

Election Commission of India.

मादेश

नई दिल्ली 17 जुलाई, 1981

आ० अ० 943.—यतः, निर्वाचन भ्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 124-इसौली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मातादीन, ग्रा० व पो० ऐंजर, जिला सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व भ्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा भपेक्षित भ्रपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने मे भ्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् मूचना दिए जाने पर भी, इस ग्रमफलता के लिए कोई कारण ग्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है ग्रीर निर्वाचन ग्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 10-क के ग्रनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री मातादीन को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रौर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत ग्रोपित करता है।

[सं॰ उ॰ प्र॰-वि॰ स॰/124/80(261)]

ORDERS

New Delhi, the 17th July, 1981

O.N. 943.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Matadin, Village—P.O. Enger, Distr. Sultanpur, (U.P.) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 124-Issauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Matadin to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly of Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/124/80(261)]

गा० प० 944.—यतः, निर्वाचन मायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 124-इसीली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मोहम्मद सईद खां, ग्रा० पो० कुडेभार, जिला सुलतानपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व मधिनियम, 1951 सथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित अपने निर्वाचन क्ययों का वाई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रसफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टी-करण नही दिया है भौर निर्याचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री मोहम्मद सईद खां को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रयवा विधान परिषद् के सरम्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० स०/124/80 (262)]

O.N. 944.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohammad Sayed Khan, Village-P.O. Koorebhar, Distt. Sultanpur. Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 124-Issauli constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohammad Sayed Khan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/124/80(262)]

धा० अ० 945.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 124-इसौली निर्वाचन के लिए 124-इसौली निर्वाचन के लेए 124-इसौली निर्वाचन के लेए भाषारण निर्वाचन के लेए 124-इसौली निर्वाचन के लेए 124-इसौली निर्वाचन के लेए 124-इसौली निर्वाचन के लेए 124-इसौली निर्वाचन के लेए स्वाचीन एक, प्रांच भाषानीगढ़, पो० मेचमऊ, जिला सुलतानपुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपेक्षित भपने निर्वाचन क्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में भ्रसफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त उम्मीदबार ने, सम्यक् सूचना विए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण भथवा स्पष्टी-करण नही दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

मतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 10-क के भ्रमुसरण में निर्वाचन भ्रायोग एतव्हारा उक्त श्री रामिकशोर भृक्ल को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राह्त घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/124/80(263)]

O.N. 945.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Kishore Shukla, Village Bhawanigarh, P.O. Meghmau, Distt. Sultanpur (U.P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 124-Issauli constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Kishore Shukla to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA|124|80(263)]

आं अं 946.—यतः, निर्वाचन भायोग का समाधान हो हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 149-नानपारा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जड़ने वाले उम्मीदवार श्री शमशाद खां, ग्राम सूजौली, पो॰ बाबागंज, जिला बहराइच (उ॰ प्र॰), लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रेपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

ग्रीर यत:, उक्त उम्मीदबार द्वारा दिये गये श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन ग्रायोग का यह भी ममाधान हो गया है कि उसके पास इस ग्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

धतः प्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के प्रनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री शमशाद खां को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रयाब विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं॰ उ॰प्र॰-वि॰स॰/149/80(264)]

O.N. 946.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shamsad Khan, Village Sujauli, P.O. Babagani, Distt. Bahraich, (U P.), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradeah Legislative Assembly held in May, 1980 from 149-Nanpara constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shamsad Khan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member or either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/149/80(264)]

नर्ष बिस्ली, 18 जुलाई, 1981

खा॰ ध॰ 947----यतः, निर्वाचन बायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 148-महसी निर्वाचन क्षेत्र से बुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोविंद प्रसाद, ग्रा० पो० रायगंज, जिला बहराइच (उ॰ प्र०), लोक प्रति-निधित्व भिधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रभेक्षित भ्रपने निर्वाचन व्ययों का लेखा रीति से दाखिल करने में श्रसंफल रहे हैं ;

भौर यतः उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी, इस भ्रमफलता के लिए कोई कारण भ्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है भीर निर्वाचन भ्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भतः भव, उक्त भिष्ठिनियम की खारा 10-क के सनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्दारा उक्त श्री गोविंद प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किभी राज्य की विधान सभा भयवा विधान परिषद् के सवस्य चुने जाने भौर होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत बोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/148/80(265)]

New Delhi, the 18th July, 1981

O.N. 947.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gobind Prasad, Village-P.O. Raiganj, Distt. Bahraich Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 148-Mahsi constituency has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gobind Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/148/80(265)]

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1981

आ० १४० १४ ८ ---- यत:. निर्वाचन श्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 331-गरौठा निर्वाचन के लिए 331-गरौठा निर्वाचन के लिए 331-गरौठा निर्वाचन के ले उम्मीदवार श्री कन्हैया साल, ग्रा० व पो० विजोरा, तह० गरौठा, जिला झांसी (उ० १०), लोक प्रतिनिधित्य प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रोधित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर यतः, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक् सूचना दिए जाके पर भी, इस भसफलता के लिए कोई कारण मधवा स्पष्टीकरण मही दिया है भौर निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस संसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौषित्य नहीं हैं; भतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनु-सरण में निर्वाचन श्रायोग एतद्द्वारा उक्त श्री कन्हैया लाल को संसद के किसी भी मद्दा के या जिसी राज्य की विधान सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस आदेश की तारीख सेतीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्राहत घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/331/80(266)

New Delhi, the 20th July, 1981

O.N. 948.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanhaiya Lal, Village & P.O. Bijora, Teh. Garotha, District Jhansi (UP), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 331-Garotha constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanhaiya Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/331/80(266)]

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1981

आर प० 949.—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए त्राधारण निर्वाचन के लिए 78-लहरपुर निर्वाचन के लिए 78-लहरपुर निर्वाचन केते से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदनार श्री मकसूद प्रली, पा० पो० वेलगांवां, जिला सीतापुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तक्कीन बनाए गए नियम द्वारा प्रयेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में ग्रसकल रहे हैं;

भीर यन:, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रमफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है भीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उमके पाग इन श्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं हैं;

मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 10-क के श्रनुसरण में निर्वाचन श्रायोग एनद्द्वारा उक्त श्री मक्त्मूद श्रली को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरित्त घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/78/80(267)]

New Delhi, the 21st July, 1981

O.N. 949.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Maksood Ali, Village and P.O. Velgawan, District Sitapur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 78-Laharpur constituency has falled to lodge an account of his election expenses at all as required by the

Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Maksood Ali to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/78/80(267)]

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1981

भा०अ० 950.— यतः, निर्वाचन श्रामोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए पंजाब विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-मलेरकोटला निर्वाचन केत से चुनाव लड़ने वाले उम्मीववार श्री मोहन लाल, ठण्डी सड़क, मलेरकोटला, जिला संगकर (पंजाब), लोक प्रतिनिधित्त्र श्रीधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रीक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसहन रहे हैं ;

भौर यत., उक्त उम्मीदनार ने, सम्यक सूचना दिए जाने ार भी, इन प्राकृतना के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टी-करण नही दिया है भौर निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उमके पाम दूर प्राकृत ता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

या: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुपरण में निर्वावन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मोहन जान को संसद के किसी भी सबन के या किनी राज्य की विद्यान सभा अयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर-हिन घोषित करता है।

[सं॰ पंजाब-वि॰स॰/81/80(75)]

New Delhi, the 22nd July, 1981

O.N. 950.—Whereas the Flection Commission is satisfied that Shri Mohal Lal, Thandi Sarak, Malerkotla, District—Sangrur (Punjab), a contesting candidate for general election to the Punjab Legislative Assembly held in May, 1980 from 81-Malerkotla constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohan Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/81/80(75),

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1981

आ०अ०951.---यतः निर्वाचन भागोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-मिश्रित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुणील चन्द्र, शाह मेडिकल स्टोर, मिश्रित, जिला सीतापुर (उ०प्र०), लोक प्रतिनिधित्व ग्रिधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रभेक्षित समय के श्रन्वर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये श्रभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन श्रायोग का यह भी समा-धान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

भ्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन भायोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुशील चन्द्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/81/80(268)]

New Delhi, the 23rd July, 1981

O.N. 951. Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sushil Chandra, Shah Medical Store, Misrikh, District Sitapur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 81-Misrikh constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sushil Chandra to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA|81|80(268)]

आ अा अ 952. -यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लि' साधारण निर्वाचन के लिए 126 जयसिंहपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगन्नाय, ग्रा० श्रमिलिया सिकरा, पी० जयसिंहपुर, जिला सुलतानपुर (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व श्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रपेक्षित श्रपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में श्रसफल रहे हैं;

श्रीर यतः, उक्त अम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस श्रसफलता के लिए कोई कारण श्रथवा स्पष्टी-करण नहीं दिया है श्रीर निर्वाचन श्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौजित्य नहीं हैं;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 10-क के भनुसरण में निर्वाचन ग्रायोग एतव्द्वारा उक्त श्री जगन्नाथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रयवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने ग्रीर होने के लिए इस ग्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर-हित घोषित करता हैं।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/126/80(269)]

मार्वेश से, मों० ना० नागर, मवर सचिव, भारत निर्वाचन भायोग

O.N. 952.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagannath, Village Amiliya Sikra, P.O. Jalsinghpur, Distt. Sultanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1980 from 126-Jaisinghpur constituency has failed to odge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagannath to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/126/80(269)]

By Order,

O. N. NAGAR, Under Secy.

Election Commission of India.